



29 जनवरी 2024

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट





प्रमुख खबरें

- वित्त मंत्रालय ने सोने पर आयात शुल्क 10% से बढ़ाकर 15% कर दिया है। ऊंचे टैरिफ का उद्देश्य सोने के आयात में वृद्धि को रोकना है। अक्टूबर में सोने का आयात 95% बढ़कर 7.2 बिलियन डॉलर हो गया, जिससे व्यापारिक व्यापार घाटा बढ़कर अब तक के उच्चतम मासिक आंकड़े 31.46 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया।
- चीन के केंद्रीय बैंक ने बैंक आरक्षित निधि में भारी कटौती की घोषणा की, जिससे बैंकिंग प्रणाली में लगभग 140 अरब डॉलर की नकदी आएगी।
- चीन के सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन के अनुसार वर्ष 2023 में कुल अनाज आयात बढ़कर 162 मिलियन टन (एमटी) हो गया, जो 2022 की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है और 2021 में आयातित 164.5 मिलियन टन के रिकॉर्ड के बाद दूसरे स्थान पर है।
- भारतीय कपास निगम ने बाजार वर्ष 2023-24 में अब तक किसानों से एमएसपी पर 23.84 लाख गांठ (प्रति गांठ 170 किलोग्राम) से अधिक की खरीद की।
- मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) ने बाजार नियामक के साथ

पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सीधे बाजार पहुंच (डीएमए) की पेशकश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

- उत्तर प्रदेश सरकार ने 2023-24 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) सीजन के लिए गन्ने की सभी किस्मों का राज्य सलाह मूल्य (एसएपी) 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 370 रुपये कर दिया है।
- सरकारी गोदामों में गेहूं का भंडार सात साल के निचले स्तर पर 163.5 लाख टन पर पहुंच गया है। लेकिन मौजूदा स्तर 138 लाख टन के न्यूनतम बफर स्तर से अधिक है, जो 108 लाख टन की तीन महीने की परिचालन आवश्यकता के साथ-साथ किसी भी खरीद में कमी के मामले में अतिरिक्त 30 लाख टन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आवश्यक है।
- भारत ने अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान लगभग 76.3 हजार टन जीरा निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 115.75 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 34% कम है। नवंबर-23 में निर्यात पिछले वर्ष के 11.7 हजार टन के मुकाबले घटकर 6.2 हजार टन रह गया।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.01.24	24.01.24	बदलाव (%)
हल्दी	13884.00	15808.00	13.86%
धनिया	7704.00	8088.00	4.98%
जीरा	27095.00	28350.00	4.63%
बाजरा	2282.00	2313.00	1.36%
कैस्टरऑयल	1195.00	1210.50	1.30%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.01.24	24.01.24	बदलाव (%)
जौ	2120.50	2000.00	-5.68%
कैस्टरसीड	5842.00	5784.00	-0.99%
ग्वारगम	10600.00	10523.00	-0.73%
कॉटनऑयलसीडकेक	2625.00	2606.00	-0.72%
कपास	1529.50	1529.50	0.00%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.01.24	24.01.24	बदलाव (%)
कच्चा तेल	6152.00	6253.00	1.64%
तांबा	713.35	722.40	1.27%
एल्युमीनियम	197.45	199.60	1.09%
सोना एम	61791.00	62072.00	0.45%
चांदी	71615.00	71869.00	0.35%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	18.01.24	24.01.24	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	225.50	213.80	-5.19%
मेंथा ऑयल	920.80	907.30	-1.47%
सोना गिनी	50077.00	49774.00	-0.61%
सोना पेटल	6095.00	6079.00	-0.26%

साप्ताहिक समीक्षा

चीन द्वारा 278 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज की योजना के साथ-साथ बैंकों के आरक्षित आवश्यकता अनुपात (आरआरआर) में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा से बाजार के सेंटीमेंट में सुधार हुआ। चीन के केंद्रीय बैंक ने बैंक रिजर्व में भारी कटौती की घोषणा की, जो एक ऐसा कदम है जिससे बैंकिंग प्रणाली में लगभग 140 अरब डॉलर की नकदी आएगी और एक नाजुक अर्थव्यवस्था के समर्थन के लिए एक मजबूत संकेत होगा। इस कदम का उद्देश्य शेर बाजार को स्थिर करना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। मध्य पूर्व में बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थितियों के बीच सुरक्षित-संरक्षित की मांग के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई, जिससे कीमतें 2,000 डॉलर से 2,050 डॉलर प्रति औंस के दायरे में रही लेकिन साप्ताहिक आधार पर यह लाल निशान में बंद हुआ। डॉलर इंडेक्स में उछाल के कारण सोने की कीमतें लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुई जबकि बेस मेटल में मजबूती के कारण चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। विभिन्न सकारात्मक कारकों के कारण तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अप्रत्याशित रूप से स्थानीय बैंकों के लिए आरक्षित आवश्यकताओं में कटौती की, जिससे दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक में आर्थिक सुधार की उम्मीदें बढ़ गईं। अमेरिका और ब्रिटेन से क्रय प्रबंधक सूचकांक के बेहतर आंकड़ों के कारण कच्चे तेल की कीमतों को समर्थन मिला, जो एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अमेरिकी तेल भंडार में भारी गिरावट और अत्यधिक ठंड के मौसम के कारण कच्चे तेल के उत्पादन में व्यवधान ने भी तेल की कीमतों की तेजी में योगदान दिया। लेकिन बढ़त सीमित रही क्योंकि ठंड के मौसम से व्यवधान के बाद कुछ अमेरिकी तेल उत्पादन क्षमता में रिकवरी हुई, जबकि लीबिया के सबसे बड़े तेल क्षेत्र ने उत्पादन फिर से शुरू कर दिया था। नेचुरल गैस और कच्चे तेल की कीमतें इस सप्ताह बढ़त के साथ बंद हुईं। चीन में अधिक प्रोत्साहन उपायों की रिपोर्टों से औद्योगिक धातुओं की कीमतों में भी वृद्धि हुई, जिससे आर्थिक सुधार की उम्मीदें बढ़ीं। चीन ने बुधवार को यह भी कहा कि वह संकटग्रस्त रियल एस्टेट कंपनियों के सामने नकदी की कमी को कम करने के अपने नवीनतम प्रयास में बैंकों द्वारा वाणिज्यिक संपत्ति ऋण के उपयोग को बढ़ा रहा है।

कृषि क्षेत्र में, अरंडी के तेल और केक की निर्यात मांग में कमी के कारण अरंडी की कीमतों ने अपनी बढ़त गवां दी। कॉटनऑयलसीडके में कमजोर कारोबार हुआ। ग्वारमिल की सुस्त मांग और बाजार में अधिक स्टॉक के बीच मंदी के कारण ग्वार कॉम्प्लेक्स कमजोर रहा। घरेलू बाजार में खरीदारी बेहतर होने से अन्य मसालों की तुलना में हल्दी की कीमतों को समर्थन मिला। बाजार में स्टॉक की कमी और निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद से पूरे क्षेत्र में खरीदारी को बढ़ावा मिला। बाजार में आपूर्ति कम होने से मेंथा तेल की कीमतें निचले स्तर से उबर गईं। कमजोर उत्पादन अनुमान और मौसमी मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद से कीमतों को समर्थन मिला।



हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	18.01.2024	24.01.2024	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2,120.00	2,085.10	-1.65%
चना	दिल्ली	5856.65	5851.00	-0.10%
धनिया	कोटा	7405.65	7392.30	-0.18%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	796.10	809.25	1.65%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1427.00	1422.75	-0.30%
ग्वारसीड	जोधपुर	5481.70	5431.45	-0.92%
ग्वारगम	जोधपुर	10814.35	10641.90	-1.59%
जीरा	ऊझा	31062.40	31897.60	2.69%
सरसों	जयपुर	5545.40	5573.05	0.50%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	910.00	907.50	-0.27%
सोयाबीन	इंदौर	4858.70	4828.55	-0.62%
हल्दी	निजामाबाद	13051.15	13755.50	5.40%
गेहूं	दिल्ली	2650.00	2655.00	0.19%
कॉटन	कड़ी	26484.80	26771.65	1.08%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2665.50	2638.95	-1.00%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	18.01.2024	24.01.2024	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2163.50	2219.00	2.57%
तांबा	LME	नकद	8310.00	8551.50	2.91%
लेड	LME	नकद	2076.50	2147.00	3.40%
निकल	LME	नकद	16156.00	16490.00	2.07%
जिंक	LME	नकद	2462.50	2581.00	4.81%
सोना	COMEX	फरवरी	2021.60	2016.30	-0.26%
चांदी	COMEX	मार्च	22.81	22.88	0.32%
लाइट क्रूड	NYMEX	मार्च	74.08	75.54	1.97%
नेचुरल गैस	NYMEX	मार्च	2.41	2.31	-4.35%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	18.01.2024	24.01.2024	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	1,224.25	1,246.50	1.82%
सोया तेल	CBOT	मार्च	48.01	47.87	-0.29%
कॉटन	ICE	मार्च	82.51	85.40	3.50%
सीपीओ	BMD	अप्रैल	3,895.00	3,994.00	2.54%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	18.01.2024 क्वांटिटी	24.01.2024 क्वांटिटी	अंतर
कॉटन	मी.टन	16067	16067	0
बाजरा	मी.टन	543	543	0
कैस्टर सीड	मी.टन	5025	4960	-65
धनिया	मी.टन	5013	4446	-567
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	26141	28239	2098
ग्वारगम	मी.टन	25666	25756	90
ग्वारसीड	मी.टन	25196	26010	814
जीरा	मी.टन	542	113	-429
स्टील	मी.टन	707	707	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	19.01.2024 क्वांटिटी	24.01.2024 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	983	1800	817
तांबा	मी.टन	3426206	3362212	-63994
सोना	किग्रा	341	334	-7
सोना मिनी	किग्रा	2456	2456	0
सोना गिनी	किग्रा	163200	95700	-67500
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	119624	119996	372
चांदी एम	किग्रा	39118	39118	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 18.01.2024	स्टॉक की स्थिति 24.01.2024	अंतर
एल्युमीनियम	550825	546325	-4500.00
तांबा	156750	157725	975.00
निकल	69492	69342	-150.00
लेड	111325	108475	-2850.00
जिंक	199125	195575	-3550.00



ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांटेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	मार्च	28350.00	10.10.23	मंदी	58000.00	-	29900.00	30000.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	15808.00	18.01.24	तेजी	13900.00	14250.00	-	14000.00
NCDEX	ग्वारसीड	फरवरी	5446.00	18.01.24	तेजी	5500.00	5330.00	-	5300.00
NCDEX	कैस्टरसीड	फरवरी	5784.00	18.01.24	तेजी	5650.00	5570.00	-	5550.00
NCDEX	सुरजमुखी तेल	फरवरी	867.80	03.01.24	तेजी	820.00	835.00	-	830.00
NCDEX	स्टील लांग	फरवरी	43460.00	27.09.23	मंदी	46300.00	-	44700.00	44750.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	फरवरी	2606.00	14.12.23	मंदी	2800.00	-	2680.00	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	फरवरी	907.30	27.09.23	मंदी	930.00	-	958.00	960.00
MCX	बुलडेक्स	फरवरी	16077.00	10.10.23	तेजी	15000.00	15840.00	-	15800.00
MCX	चांदी	मार्च	71869.00	10.10.23	तेजी	69000.00	69050.00	-	69000.00
MCX	सोना	अप्रैल	62153.00	10.10.23	तेजी	57500.00	61050.00	-	61000.00
MCX	तांबा	फरवरी	729.90	24.01.24	तेजी	725.00	710.00	-	708.00
MCX	लेड	फरवरी	183.20	28.11.23	साइडवेज	187.00	175.00	190.00	-
MCX	जिंक	फरवरी	228.10	24.01.24	तेजी	226.00	216.00	-	215.00
MCX	एल्युमिनियम	फरवरी	203.15	24.01.24	साइडवेज	203.00	195.00	210.00	-
MCX	कच्चा तेल	फरवरी	6253.00	18.01.24	तेजी	6150.00	5840.00	-	5800.00
MCX	नेचुरल गैस	जनवरी	185.80	18.01.24	मंदी	235.00	-	217.00	220.00

*24/01/2024 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लास बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लास को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। इस स्थिति में स्टॉप लास अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते हैं और लम्बे समय तक के रुझानों को लेते हैं।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान योजना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मॉनिंग रिपोर्ट के नाम से ई-मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स



तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

उच्चस्तर: 745.85

निचला स्तर: 720.75

एमसीएक्स में तांबा (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 24 जनवरी 2024 को 729.25 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 726.22 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 59.75 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

711.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 750.00 ₹ के टारगेट के लिए 724.00 ₹ के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स



हल्दी (अप्रैल) एनसीडीईएक्स

उच्च स्तर: 18020.00

निचला स्तर: 15500.00

एनसीडीईएक्स में हल्दी (अप्रैल) कॉन्ट्रैक्ट 24 जनवरी 2024 को 15930.00 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 14398.12 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 82.52 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

14000.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 17600.00 ₹ के टारगेट के लिए 15200.00 ₹ के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स



कच्चा तेल (फरवरी) एमसीएक्स

उच्चस्तर: 6521.00

निचला स्तर: 6149.00

एमसीएक्स में कच्चा तेल (फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 24 जनवरी 2024 को 6253.00 ₹ पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6138.39 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 62.89 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6050.00 ₹ के स्टॉपलॉस के साथ 6500.00 ₹ के टारगेट के लिए 6200.00 ₹ के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।



अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

गणवत्ता वाली फसल की सीमित उपलब्धता के मुकाबले स्थानीय बाजार में आक्रामक खरीदारी के बाद हल्दी की कीमतों में लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त दर्ज की गई। बाजार में स्टॉक की कमी और त्योहारी मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद से कीमतों में तेजी रही। मुख्य रूप से कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण पिछले दो सप्ताह में हल्दी की कीमतों में लगभग 24% की वृद्धि हुई है। कुल उत्पादन में गिरावट की आशंका से हल्दी की खरीदारी गतिविधियां बढ़ गई हैं क्योंकि पैदावार में गिरावट के बीच हल्दी के कम उत्पादन क्षेत्र के कारण उत्पादन में लगभग 20% की गिरावट होने की संभावना है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कटाई गतिविधियों में देरी के कारण आआवक की गति धीमी हो गई है। नवंबर में निर्यात में गिरावट आई क्योंकि भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 12.39 हजार टन के मुकाबले केवल 8.58 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जिसमें अप्रैल-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के 111.94 हजार टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 1% की कमी के साथ 110.74 हजार टन हुआ है। हुआ। सीजन के अनुसार निर्यात बढ़ने की संभावना है जिससे कीमतों में और मजबूती आएगी। लेकिन आने वाले हफ्तों में नई फसल जल्द ही बाजार में आने की संभावना है, जिससे बढ़त सीमित हो सकती है। निकट भविष्य में हल्दी की कीमतों को 16150/16800 के करीब रेंजिस्ट्रेस का सामना करने की उम्मीद है जबकि 15400/14600 के करीब सपोर्ट मिलने की उम्मीद है।

विदेशी बाजार में भारतीय जीरा की मांग बढ़ने से जीरा वायदा कीमतों में तेजी दर्ज की गई। जीरा की कीमतें प्रतिस्पर्धी हो गई हैं, जिससे निर्यातक मौजूदा दरों पर जीरा खरीदने के लिए आकर्षित हुए हैं। जीरा के निर्यात के मौसम से पता चलता है कि मार्च-अप्रैल में त्योहारों की श्रृंखला के मद्देनजर मजबूत मांग की संभावनाओं के कारण फरवरी-मार्च के दौरान निर्यात मांग अधिक रहती है। उपलब्धता कम होने के कारण वर्ष 2023-24 में अब तक जीरा का निर्यात कम रहा है। वर्ष 2023 में अधिकांश समय जीरे की कीमतों में अभूतपूर्व तेजी के कारण निर्यात आकर्षक नहीं रहा। भारत ने अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान लगभग 76.3 हजार टन जीरा निर्यात किया, जो पिछले वर्ष के 115.75 हजार टन की तुलना में साल-दर-साल 34% कम है। नवंबर-23 में निर्यात पिछले वर्ष के 11.7 हजार टन के मुकाबले घटकर 6.2 हजार टन रह गया। बंपर फसल की उम्मीद में बढ़त सीमित रहने की संभावना है। वर्ष 2024-25 में उत्पादन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण कुल उत्पादन में साल-दर-साल 30% की वृद्धि होने की उम्मीद है। जीरा की कीमतों को 23500-34500 के दायरे में रहने की संभावना है।

स्थानीय बाजार में खरीदारी गतिविधियां बढ़ने के कारण पिछले सप्ताह धनिया की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। आगामी सीजन में कमजोर उत्पादन अनुमान को देखते हुए स्टॉकिस्ट सक्रिय हैं। उत्पादन क्षेत्र और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी आने की संभावना है। इसके अलावा मजबूत निर्यात मांग से भी कीमतों को समर्थन मिल सकता है। भारत ने नवंबर-23 में पिछले वर्ष के 2.4 टन की तुलना में लगभग 3.05 हजार टन धनिया का निर्यात किया, जबकि अप्रैल-23-नवंबर-23 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष के 21.3 हजार टन के मुकाबले 73.18 हजार टन दर्ज किया गया, जो कि साल-दर-साल 243% अधिक है। कमजोर उत्पादन अनुमान और स्थानीय बाजार में उभरती मांग से कीमतों को तेजी के रुख के साथ व्यापार करने में मदद मिलने की संभावना है। लेकिन, आने वाले हफ्तों में नई आवक शुरू होने की संभावना है जिससे बढ़त सीमित रहने की संभावना है। धनिया की कीमतों के 7500-8530 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

वैश्विक बाजार में तेजी के रुझान पर कपास की कीमतों में मजबूती के साथ कारोबार हुआ है। अमेरिकी बाजार में स्टॉक कम होने के कारण आईसीई में कॉटन की कीमतें बढ़ीं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में कमजोरी से भी कीमतों को आगे बढ़ने में मदद मिली। आपूर्ति में कमी के कारण पिछले 3 सप्ताह में आईसीई में कॉटन की कीमतों में लगभग 7.7% की वृद्धि हुई है। घरेलू फंडामेंटल के भी कीमतों के लिए सहायक बने रहने की संभावना है क्योंकि आने वाले हफ्तों में आवक की गति धीमी होगी क्योंकि अक्टूबर-23 से अब तक लगभग 45% फसल बाजार में आ चुकी है। 24 जनवरी-24 तक कुल आवक 130 लाख गांठ हुई है। आवक की गति अब तक पिछले वर्ष के समान ही रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण धीमी होने की संभावना है। कपास का रकबा कम होने के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में कपास उत्पादन में साल-दर-साल 2% की गिरावट होने की संभावना है। वर्ष 2023-24 में कपास का उत्पादन पिछले 15 वर्षों में सबसे कम होने का अनुमान है जो आपूर्ति की कमी के रूप में प्रतिबिंबित होगा। भारतीय कपास निगम ने वर्ष 2023-24 में अब तक लगभग 20 लाख गांठ की खरीद की है। एमसीएक्स पर कॉटन की कीमतों को 54500-58000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1500-1600 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

स्थानीय बाजार में कमजोर मांग के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। अन्य ऑयलमील की बढ़ती उत्पादन संभावनाओं से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ने की संभावना है। बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों को 2450-2780 के दायरे में रहने की संभावना है।

बाजार में आवक की धीमी गति के कारण ग्वार सीड वायदा कीमतों में तेजी के रुझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की उम्मीद है। हाल ही में कीमतों में गिरावट के साथ आवक में गिरावट हुई है और इस गिरावट से पेराई मार्जिन बेहतर होने के कारण मिलों द्वारा मौजूदा दरों पर खरीद के लिए बढ़ावा मिलने की संभावना है। जनवरी-24 में अब तक भारत की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 16.3 हजार टन ग्वारसीड की आवक हुई, जो पिछले वर्ष के 20.25 हजार टन की तुलना में 20% कम है। वर्ष 2023-24 में ग्वारसीड का कुल उत्पादन साल-दर-साल 11%-13% कम हो गया है। उत्पादन में इस कमी के परिणामस्वरूप मिल मालिकों के पास भंडार का स्तर कम हो गया है। लेकिन ग्वार गम की धीमी निर्यात मांग से अत्यधिक बढ़त पर रोक लग सकती है क्योंकि भारत से ग्वारमील निर्यात नवंबर-23 में साल-दर-साल 53% कम हो गया है जबकि ग्वारगम निर्यात 21% गिरकर 14.93 हजार टन हो गया। भारत ने ग्वारमील और ग्वारगम के रूप में कुल लगभग 65.03 हजार टन ग्वार निर्यात किया है, जो साल-दर-साल 9% कम है। ग्वारसीड की कीमतों को 5200 के आसपास सपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जबकि रेंजिस्ट्रेस 5900 पर देखा जा सकता है। इसी तरह, ग्वारगम की कीमतों को 9600 पर सपोर्ट रहने की संभावना है जबकि रेंजिस्ट्रेस 11000 पर देखा जा सकता है।

मांग संबंधी चिंताओं के कारण मेंथा ऑयल की कीमतों के नरमी के रुझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। मेंथा ऑयल और मेन्थॉल के सुस्त निर्यात की रिपोर्ट से कीमतों पर दबाव रहेगा। औद्योगिक मांग कम होने से घरेलू खरीदारी भी कम हो गई है। भारत ने अप्रैल 23-अक्टूबर 23 के दौरान लगभग 7.3 हजार टन मेंथाॉल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष के 8.6 हजार टन की तुलना में यह साल-दर-साल 15% कम है। मेंथा ऑयल वायदा की कीमतों को 895 के करीब सपोर्ट मिलने की संभावना है और 950 पर रेंजिस्ट्रेस रह सकता है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण अरंडी की कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। आवक कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में और वृद्धि की उम्मीद में अपना स्टॉक जारी करने में अनिच्छुक हैं। भारत ने अप्रैल 23-दिसंबर 23 के दौरान लगभग 296.5 हजार टन अरंडी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 282 हजार टन निर्यात हुआ था। अरंडी वायदा की कीमतों को 5400-6000 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्पाका

एमसीएक्स में सोने की कीमतों में लगातार चार दिनों तक गिरावट हुई है, क्योंकि मजबूत अमेरिकी डॉलर और व्यावसायिक गतिविधि के बेहतर आंकड़ों के कारण बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हुई है। जनवरी में व्यावसायिक गतिविधियों में वृद्धि और मुद्रास्फीति में कमी के संकेतों के साथ, 2024 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत शुरुआत के आंकड़ों के बाद सोने की कीमतें लगभग एक सप्ताह में अपने सबसे निचले बिंदु पर पहुंच गईं। लचीली अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने बाजारों को नीतियों में ढील और मंदी की संभावना पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे सोने की कीमतों में गिरावट हुई है। डॉलर इंडेक्स छह सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब रहा, जिससे अन्य मुद्रा धारकों के लिए सोने की मांग कम हो गई। समान रूप से, अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी नोट्स पर यील्ड पिछले सप्ताह की तुलना में एक महीने के उच्च स्तर 4.1980% के करीब रही। दस-वर्षीय जापानी सरकारी बॉन्ड यील्ड ने भी बुधवार को सात सप्ताह में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की और गुरुवार को 3.5 बेसिस प्वाइंट बढ़कर 0.74% हो गई। लेकिन मार्च में मुद्रा बाजार में दर कटौती की संभावना है, फिर भी आगामी बेहतर आंकड़ों और जनवरी की बैठक में फंड के रुख में संभावित बदलाव से सोने की कीमतों में अधिक गिरावट हो सकती है। वर्तमान में, बाजार मार्च में दर में कटौती की 43% संभावना का अनुमान लगा रहा है, जबकि मई में 88% की संभावना जता रहा है। कौमिक्स पर, सोने की कीमतों को 2040 डॉलर के करीब रेंजिस्ट्रेस का सामना करना पड़ रहा है, और जब तक कीमतें इस स्तर से ऊपर नहीं जाती हैं तब तक बाजार में बिकवाली बढ़ने का संकेत है। इसके विपरीत, कीमतों को 1990 डॉलर के करीब सपोर्ट है। चांदी की कीमतों को 21.90 डॉलर से 24.20 डॉलर के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। एमसीएक्स पर, सोने की कीमतों में उच्च अस्थिरता रह सकती है, और कीमतों को 60800 के करीब सपोर्ट और 62500 के करीब रेंजिस्ट्रेस का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, चांदी की कीमतें 70500-73400 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में भारी गिरावट के बाद कच्चे तेल की कीमतें पिछले सप्ताह की अपेक्षाओं से अधिक बढ़ गईं। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा बैंकों के आरक्षित अनुपात में कटौती के फैसले से बढ़े हुए प्रोत्साहन उपायों और आर्थिक सुधार के बारे में उम्मीदों के बढ़ावा मिला है। ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में 9.2 मिलियन बैरल की महत्वपूर्ण गिरावट हुई है, जो रॉयटर्स पोल में विश्लेषकों द्वारा अनुमानित 2.2 मिलियन बैरल गिरावट से कहीं अधिक है। इस गिरावट को सर्दियों के मौसम के कारण रिफाइनरी बंद होने और सड़क यातायात में कमी के कारण अमेरिकी कच्चे तेल के आयात में भारी कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिकी कच्चे तेल के उत्पादन में भी गिरावट दर्ज की गई, जो दो सप्ताह पहले के रिकॉर्ड 13.3 मिलियन बैरल प्रति दिन से घटकर पिछले सप्ताह पांच महीने के निचले स्तर 12.3 मिलियन बैरल प्रति दिन पर आ गया, क्योंकि आर्कटिक फ्रोज के दौरान टंड की स्थिति ने तेल के कुओं को प्रभावित किया। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा बैंक रिजर्व में भारी कटौती के फैसले से बैंकिंग प्रणाली में लगभग 140 बिलियन डॉलर का निवेश संभव होगा, जो नाजुक अर्थव्यवस्था और संघर्षरत शेयर बाजारों के लिए मजबूत समर्थन का संकेत है। भू-राजनीतिक परिदृश्य में, अमेरिकी सेना ने यमन में अतिरिक्त हमले किए, जिसमें लाल सागर की ओर लक्षित दो हार्थी एटी-शिप मिसाइलों को निशाना बनाया और नष्ट कर दिया, जिससे मौजूदा तनाव उजागर हुआ। इस सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतों को 6100-6400 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है, जिसमें सपोर्ट स्तर के पास खरीदारी की अनुशंसित रणनीति है। नेचुरल गैस बाजार में, अगले दो हफ्तों में टंड मौसम और बढ़ती हीटिंग मांग की भविष्यवाणी के कारण कीमतें बढ़ीं। फरवरी की शुरुआत में सामान्य से अधिक गर्म मौसम की उम्मीदों के बावजूद, सपोर्ट के पास खरीदने और रेंजिस्ट्रेस के पास बेचने की सुझाई गई रणनीति के साथ, नेचुरल गैस वायदा की कीमतें 175-225 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।



बेस मेटल

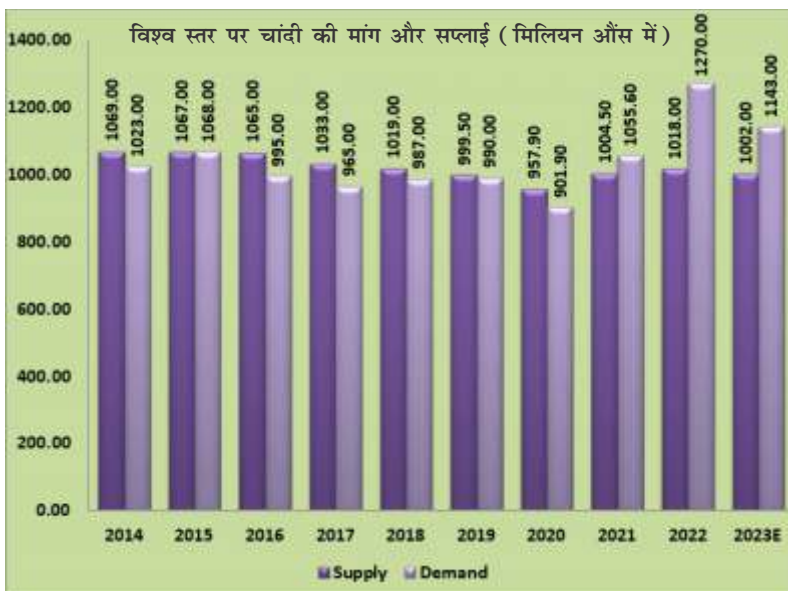
चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा बैंक रिजर्व में भारी कटौती की घोषणा के कारण बेस मेटल की कीमतें तेजी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार कर सकती है। केंद्रीय बैंक के इस कदम से बैंकिंग प्रणाली में लगभग 140 बिलियन डॉलर की नकदी आएगी और एक नाजुक अर्थव्यवस्था के समर्थन के लिए एक मजबूत संकेत होगा। अमेरिका में उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधियों ने भी बाजार को मांग परिदृश्य के बारे में अधिक आश्वस्त किया है। लेकिन, बेस मेटल की भौतिक खपत में धीमी वृद्धि और वैश्विक स्तर पर मिले-जुले व्यापक आर्थिक आंकड़ों से कीमतों में बढ़ोतरी पर रोक लग सकती है। तांबे की कीमतें 720-740 के दायरे में कारोबार कर सकती है। कई भू-राजनीतिक मुद्दे और मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं होने की संभावना के कारण तांबे की कीमतों में तेजी को मदद मिल सकती है। जिंक की कीमतें 220-240 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एचएसबीसी का अनुमान है कि चीन में जिंक की मांग 2023 में 2.3% बढ़ी है और 2024 में 2.9% बढ़ेगी। इसने पिछले साल में 111,000 टन और इस साल 89,000 टन सरप्लस का अनुमान लगाया है। इस वर्ष वैश्विक स्तर पर जिंक की आपूर्ति लगभग 14 मिलियन टन होने का अनुमान है। लेड की कीमतें 179-186 के दायरे में कारोबार कर सकती है। लेड 179-186 के दायरे में घूम सकता है। घरेलू मूल्य निर्धारण एजेंसी एस्पएमएम के अनुसार, चीन का द्वितीयक या पुनर्नवीनीकृत लेड उत्पादन, जो कुल उत्पादन का आधा हिस्सा है, दिसंबर में घटकर 342,000 टन रह गया, जो पिछले महीने से 23% कम है। एलएमई में लेड की निकट भविष्य में आपूर्ति कम होती जा रही है, जैसा कि तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट की तुलना में नकद कॉन्ट्रैक्ट पर छूट में 88 सेंट प्रति टन की गिरावट से पता चलता है, जो पिछले महीने 40 डॉलर से अधिक था। एल्युमीनियम की कीमतें 195-208 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। पोलैंड और बाल्टिक राज्यों ने यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ से रूसी एल्युमीनियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। स्टील लॉन (फरवरी) वायदा की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 42500-44300 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

चांदी... 'नए युग की मांग के बीच अपर्याप्त आपूर्ति'

चांदी की कीमती धातुओं के साथ-साथ एक औद्योगिक वस्तु के रूप में भी जाना जाता है। औद्योगिक उपयोग से लेकर सजावट, प्रौद्योगिकी, फोटोग्राफी और चिकित्सा तक में औद्योगिक उपयोग के कारण यह सबसे बहुमुखी धातु है। चांदी के उपयोग में वृद्धि कोविड-19 महामारी की शुरुआती अवधि के दौरान भारी गिरावट के बाद से रिकवरी के कारण भी हुई है। घरेलू कामकाजी अर्थव्यवस्था की मांग, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में तेजी, 5जी बुनियादी ढांचे में निवेश, आपूर्ति पाइपलाइन के साथ भंडार जमा करने और हरित अर्थव्यवस्था में बढ़ते अंतिम उपयोग के कारण कुल मिलाकर मांग में बढ़ोतरी को मदद मिली है। चांदी की वैश्विक खपत का लगभग 60 प्रतिशत औद्योगिक उपयोग के लिए होता है और शेष निवेश उद्देश्यों के लिए होता है।

चांदी की मांग के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

- सिल्वर इंस्टीट्यूट के प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, 2023 में वैश्विक स्तर पर चांदी की रिकॉर्ड औद्योगिक मांग रहने की उम्मीद है जिससे बाजार में फिर से बड़ी कमी हो सकती है।
- औद्योगिक चांदी की मांग 8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 632 मिलियन औंस होने का अनुमान है।
- सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, फोटोवोल्टिक्स, पावर ग्रिड और 5जी नेटवर्क में निवेश, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में वृद्धि और बढ़ते वाहन उत्पादन ने औद्योगिक मांग को बढ़ाने में मदद की।
- भौतिक निवेश की कम मांग की भरपायी औद्योगिक चांदी की मांग से हो जाएगी।
- 2022 में चांदी के सिक्के और बार की रिकॉर्ड मांग के बाद 2023 में मांग 21 प्रतिशत घटकर 263 मिलियन औंस होने का अनुमान है। यह मुख्य रूप से भारत और जर्मनी में चांदी के निवेश में बड़ी गिरावट के कारण है। भारत में स्थानीय चांदी की रिकॉर्ड कीमतों के कारण पूरे वर्ष के दौरान मुनाफावसूली को बढ़ावा मिला।
- जर्मनी में, 2023 की शुरुआत में चांदी के कुछ सिक्कों पर मूल्य वर्धित कर में बढ़ोतरी ने निवेशकों के उत्साह को कम कर दिया।
- सिल्वर इंस्टीट्यूट ने मौद्रिक सख्ती और थ्रील्ड में बढ़ोतरी के कारण लगातार दूसरे वर्ष एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की होल्डिंग में रिकॉर्ड कमी का अनुमान लगाया है। लेकिन होल्डिंग में यह निकासी 40 मिलियन औंस होने की उम्मीद है, जो 2022 के रिकॉर्ड निकासी का लगभग एक तिहाई है।
- भारत को छोड़कर, वैश्विक स्तर पर आभूषण की मांग 2023 में थोड़ी बढ़ने की उम्मीद है। भारत में 2022 में रिकॉर्ड उछाल के बाद आभूषण मांग में गिरावट दर्ज किए जाने का अनुमान है।
- वैश्विक स्तर पर चांदी के बर्तनों में 12 प्रतिशत तक की गिरावट की उम्मीद है।
- चांदी की मांग करीब 10 फीसदी घटकर 1.14 बिलियन औंस रह जाएगी। लेकिन सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, कुल माँग ऐतिहासिक रूप से अधिक बनी हुई है और इतिहास में दूसरे उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगी।



स्रोत: सिल्वर इंस्टीट्यूट

खदानों से अपर्याप्त उत्पादन

मैक्सिको और पेरू कम उत्पादन के कारण वैश्विक स्तर पर चांदी का खनन साल-दर-साल 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 820 मिलियन औंस होने का अनुमान है। पिछले दो वर्षों में मैक्सिको के खदानों से उत्पादन में 25 प्रतिशत की गिरावट हुई है। ऐतिहासिक रूप से उच्च मांग और कम होते खदान उत्पादन के कारण सिल्वर इंस्टीट्यूट ने 2023 में 140 मिलियन औंस की कमी का अनुमान लगाया है।

आउटलुक

आगे देखते हुए, टोस औद्योगिक मांग के पूर्वानुमान, आपूर्ति संबंधी चिंताएं और केंद्रीय बैंकों के समायोजनकारी नीतिगत उपायों की संभावनाएं कमोडिटी को समर्थन प्रदान करती रहेंगी। मंदी की चिंता आम तौर पर चांदी की औद्योगिक मांग को कम कर देगी, लेकिन दुनिया भर की सरकारों के समर्थन के कारण फोटोवोल्टिक उद्योग अनिवार्य रूप से मंदी-रोधी है। आर्थिक मंदी के दौरान भी जलवायु परिवर्तन से जुझना प्राथमिकता होने के कारण सौर ऊर्जा और अन्य हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में निवेश में गिरावट होने की अत्यधिक संभावना नहीं है। लेकिन, अगर फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति में ढील दी जाती है और मुद्रास्फीति फिर से बढ़ती है, तो यह चांदी के लिए अनुकूल परिदृश्य होगा।



आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:

11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:

Lotus Corporate Park, AWing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:

18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशासनात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बांबे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्प्लेक्स नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एसएमसी एक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड सेबी (रिसेच एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसेच एनालिस्ट के साथ रजिस्टर्ड संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोरीटिज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एगेंसिटी द्वारा सिन्क्रोरीटिज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निर्बंधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसेच एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसेच एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

दिसक्लेमर: यह रिसेच रिपोर्ट अधिकृत प्रादाकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन को गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसको (अ) समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।